Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 1

ईंटें, मनकें तथा अस्थियां

हड़प्पा सभ्यता

भाग - 3

प्रीतेश जोशी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मोहन जोदड़ो में हमें शहर के कितने भाग मिलते हैं ?

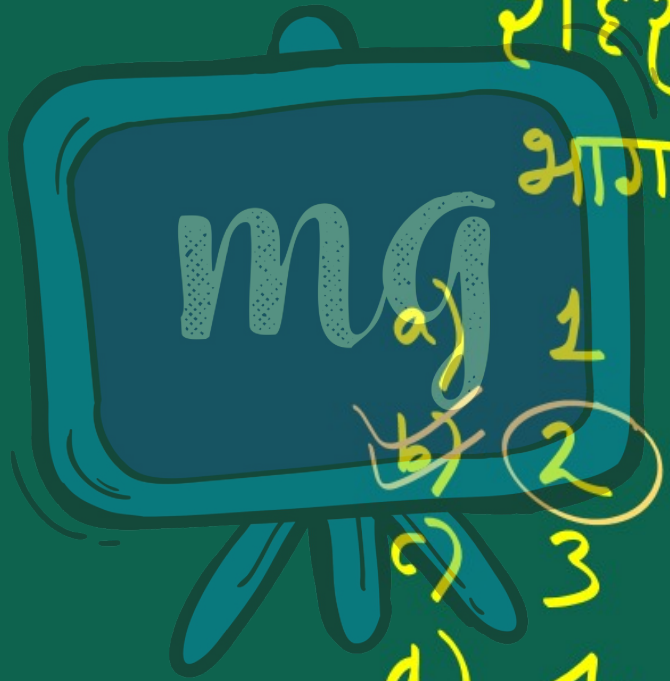

अ) 1
ब) 2
स) 3
द) 4

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

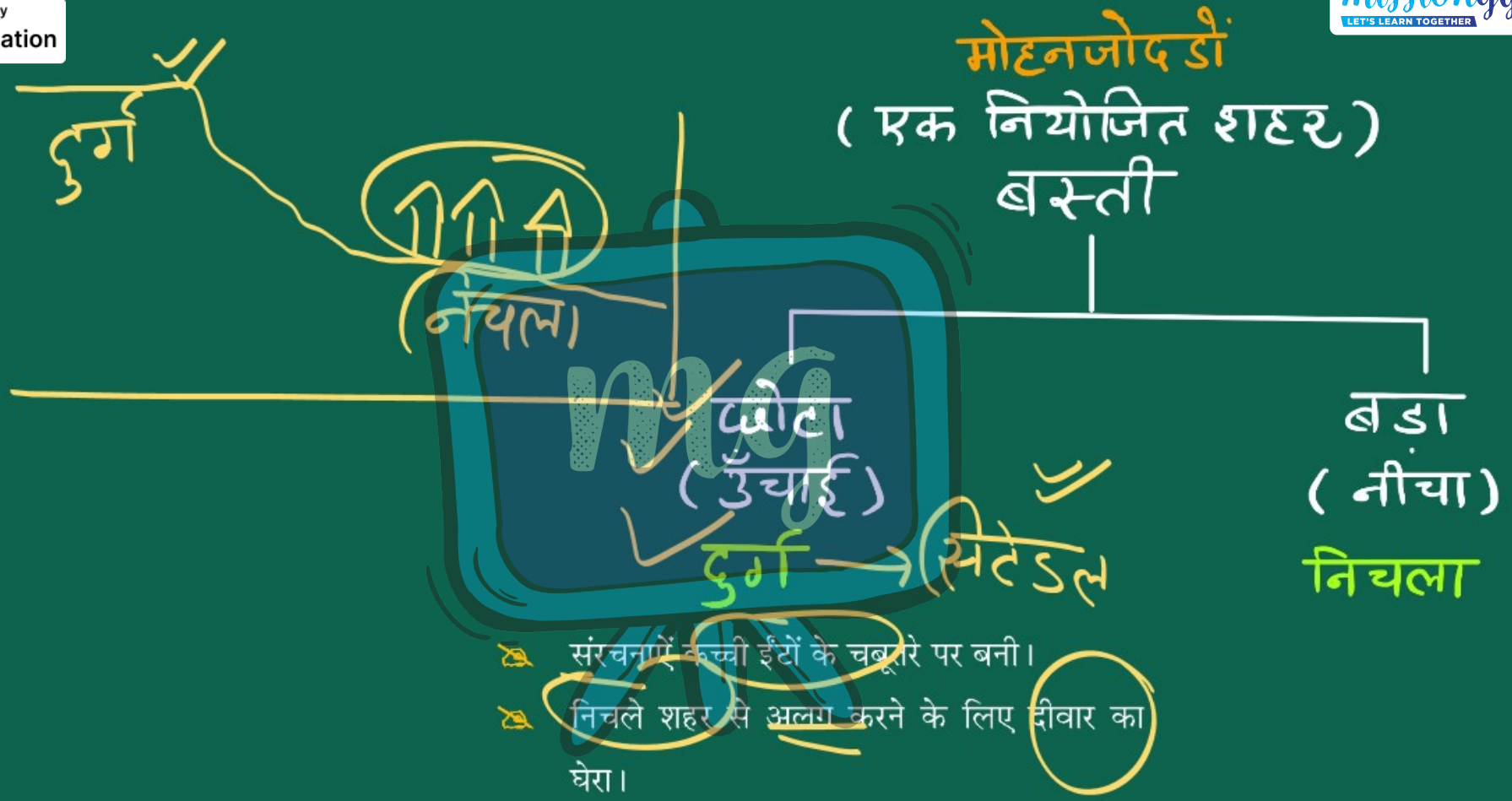

- संरचनाएँ कच्ची ईंटों के चबूतरे पर बनी।
- निचले शहर से अलग करने के लिए दीवार का घेरा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

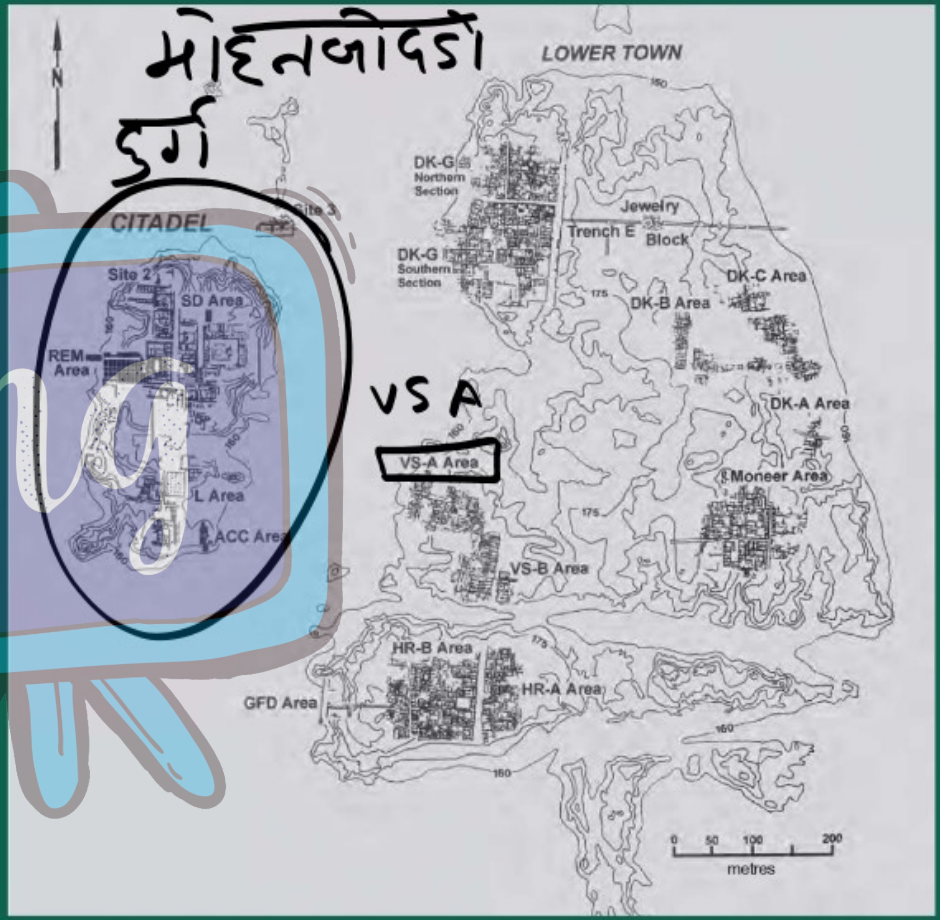

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निचला शहर



- यह भी दीवार द्वारा घेरा गया था। लेकिन फिर भी कई भवन ऊँचे चबूतरों की नींव पर बने थे।
- नियोजित जल निकास प्रणाली की अनूठी विशिष्टता थी।
- पहले नालियों के साथ गलियों को बनाकर फिर उसके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया।
- सड़कें व नालियां ग्रिड पद्धति से बनायी थी जो एक दूसरे को समकोण पर भी काटती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

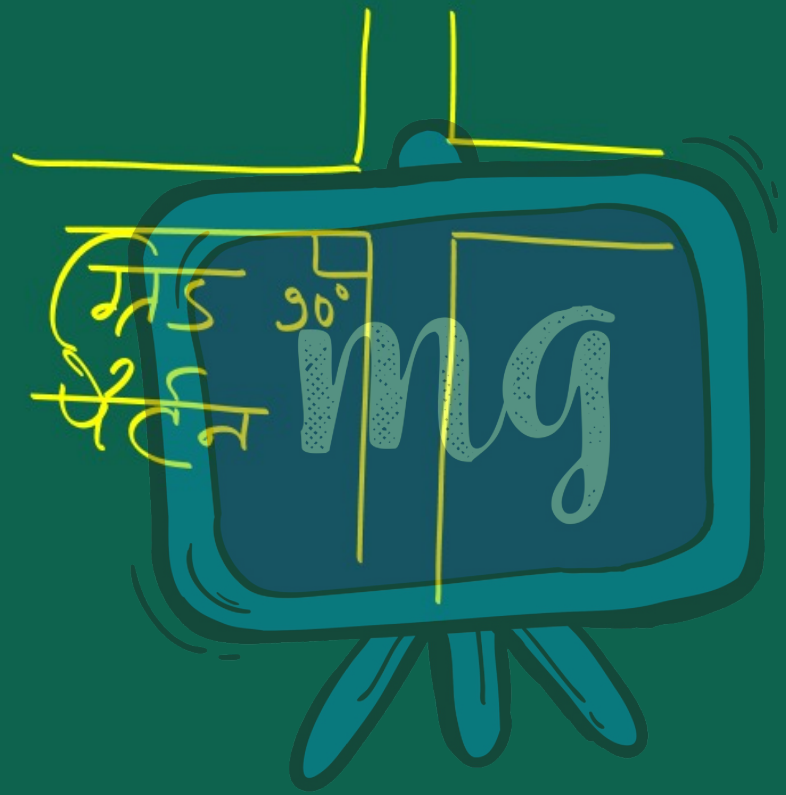

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गृह स्थापत्य

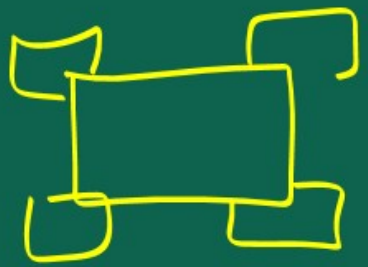

स्नानघर

ईंटें

सिंढिया



आंगन

चारों ओर कमरे

• एकान्त का महत्व

(निजता)

कुएं → पानी

7 00 (मोहनजोदड़ो)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. गृह स्थापत्य कला ?

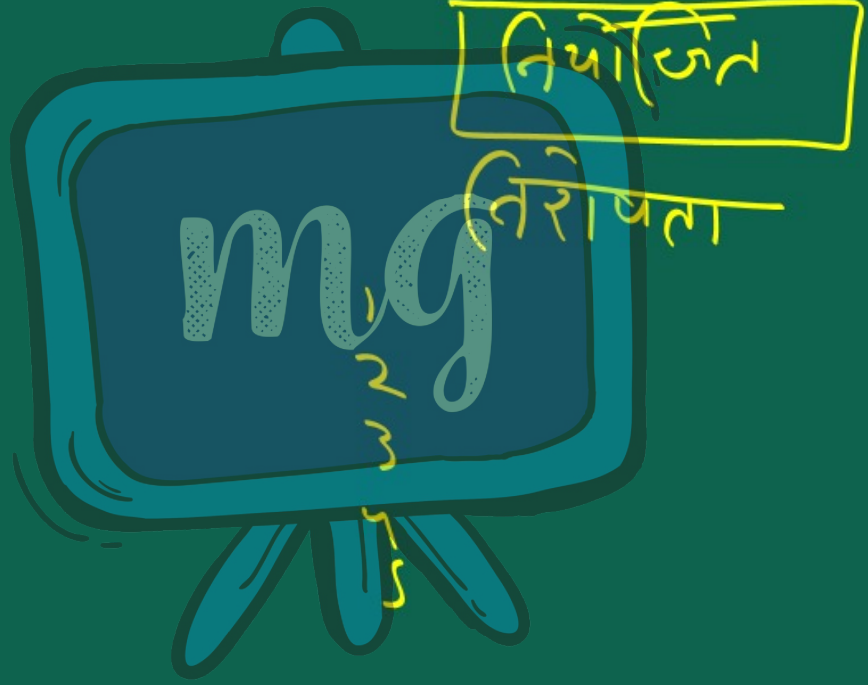

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सेटडल ऊँचे घोड़े ← दुर्ग → लकड़ी

धार्मिक
रीति
राजनीतिक

२



मालगोदाम

दुर्ग : विशिष्ट सार्वजनिक प्रयोजनों की संरचनाएँ मिली हैं।

(i) मालगोदाम :-

ईंटों से बने इनके निचले हिस्से ही शेष हैं। ऊपरी हिस्से संभवत: लकड़ी के बने होने के कारण नष्ट हो गये।

(ii) विशाल स्नानागार :-

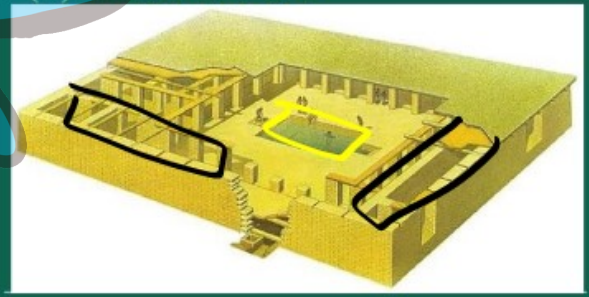

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

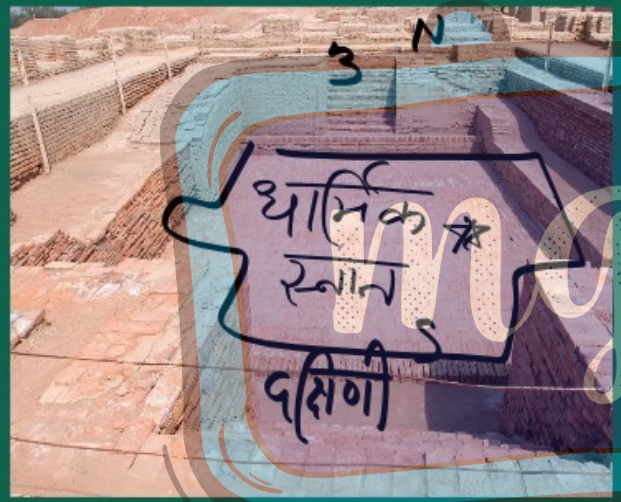

- चारों ओर से गलियारों से घिरा।
- तल तक जाने के उत्तरी व दक्षिणी भाग में सीढ़ियाँ
- जलाशय के किनारों पर ईंटों को जमाकर तथा जिप्सम के गारे का प्रयोग कर इसे जलबद्ध किया गया।
- इसके तीनों ओर कक्ष बने हैं, जिसमें 1 में 1 बड़ा कुआँ हैं।
- जलाशय का पानी एक बड़े नाले में जाता है।
- दूसरी ओर 8 स्नानघर हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- ये स्नानघर एक गली के दोनों ओर 4–4 हैं।
- प्रत्येक स्नानघर की नालियां गली के नाले से मिलती है।
- इसकी विशालता एवं अनोखापन यह दर्शाता है कि इसका प्रयोग किसी विशेष आनुष्ठानिक स्नान के लिए होगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

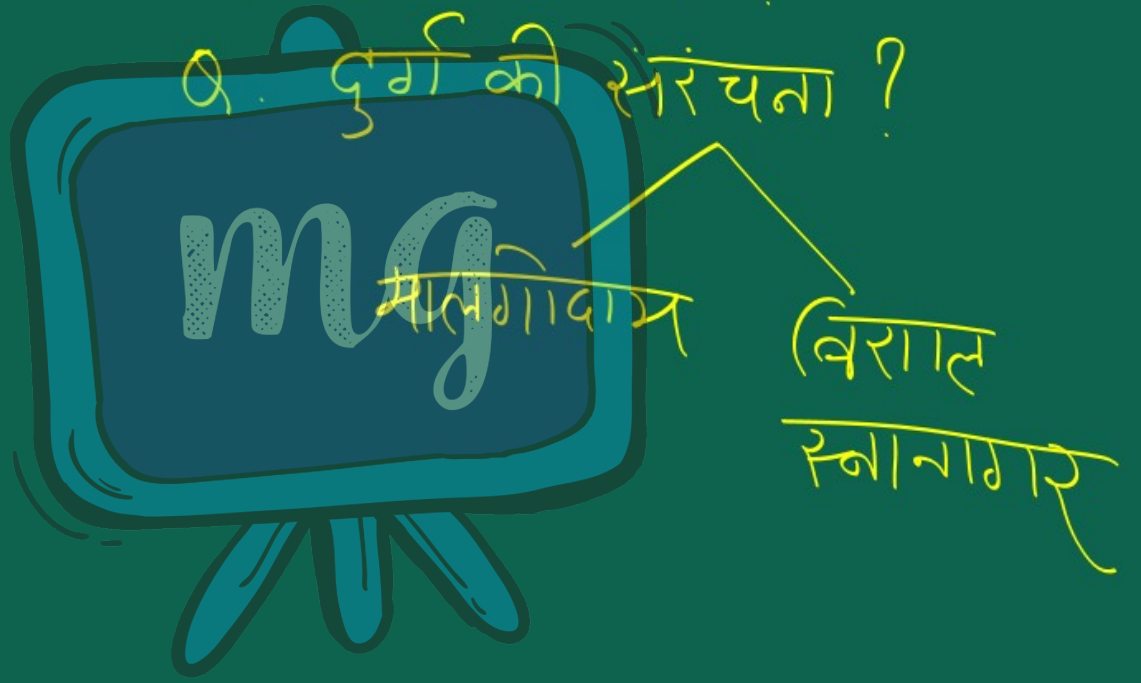

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

गरीब वर्ग अमीर वर्ग

सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन

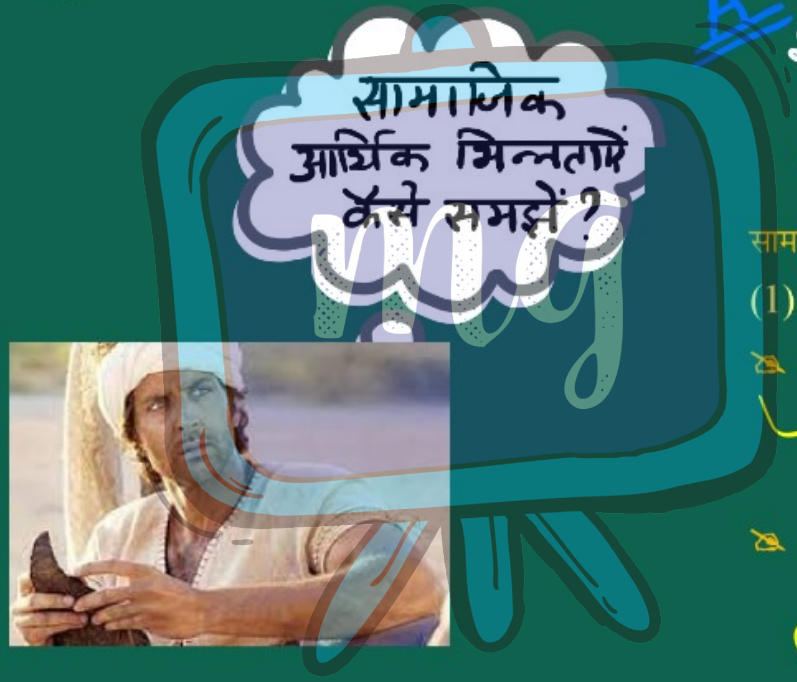

शवाधानों का अध्ययन

सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन:-

(1) शवाधान : शवों का गर्तों में दफनाया जाता था।

- गर्तों की बनावट एक दूसरे से भिन्न होती थी। क्योंकि कुछ गर्तों की सतहों पर ईंटों की चिनाई की जाती थी जो कि सामाजिक भिन्नता का संकेत देती है।
- कुछ कब्रों में मृदभाण्ड तथा आभूषण मिले हैं जो संकेत देते हैं कि उनकी मान्यता रही हो कि ये मृत्योपरांत प्रयोग किये जा सकते हैं।
- कुछ शवाधानों में पुरूषों एवं महिलाओं दोनों में आभूषण मिले हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

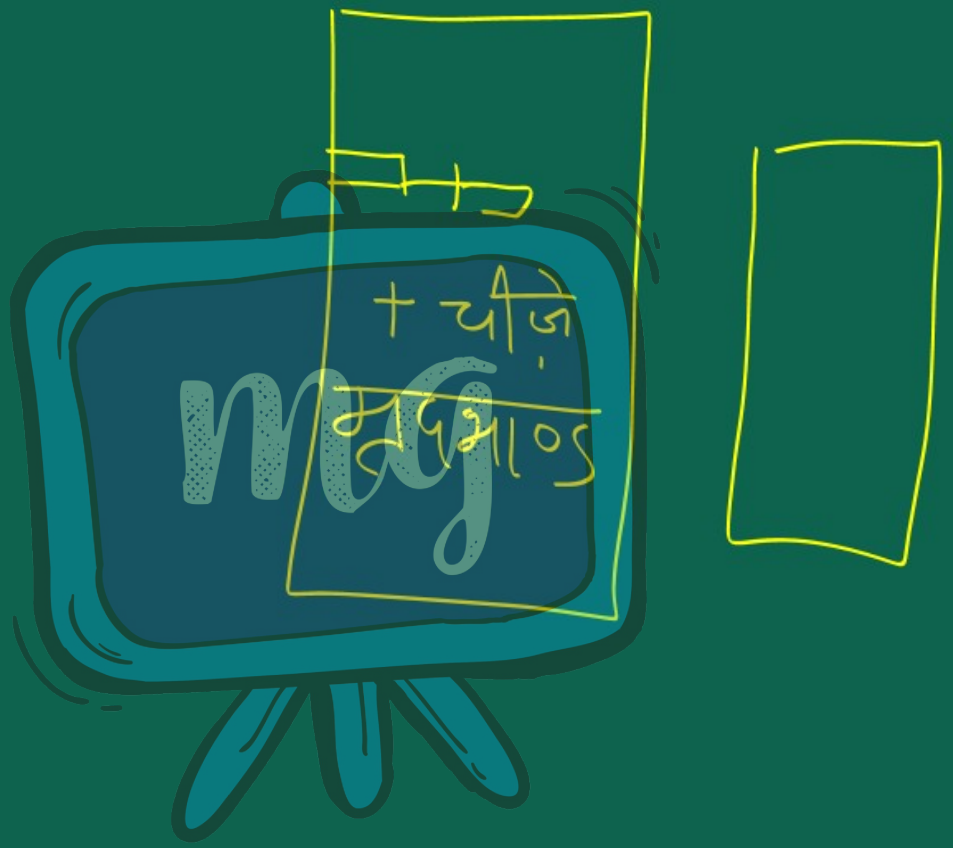

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- मृतकों के तांबे के दर्पणों के साथ भी दफनाया जाता था।
- 1980 के दशक में हड़प्पा के कब्रिस्तान में उत्खन्न में एक पुरूष की खोपड़ी के समीप शंख के उछले, जैस्पर (एक उपरत्न), मनके, सूक्ष्य मनकों से बना एक आभूषण मिला है।
- मिश्र में भी विशाल पिरामिडों में जो कि हड़प्पा सभ्यता के समकालीन थे राजकीय शवाधान बड़ी मात्रा में मिले हैं। जिनमें धन-सम्पत्ति भी दफनाई जाती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

B उपयोगी तथा विलास की वस्तुओं में वर्गीकरण

(a) उपयोगी वस्तुएं : ये रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं हैं जो पत्थर या मिट्टी से बनायी जाती है। जैसे – चक्कियां, मृदभाण्ड, सुइयां आदि। ये वस्तुएं सभी बस्तियों में सर्वत्र पायी गयी हैं।

(b) विलास की वस्तुएँ : ये दुर्लभ या महंगी होती हैं। ये स्थानीय स्तर पर अनुपलब्ध पदार्थ से अथवा जटिल तकनीक से बनती हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

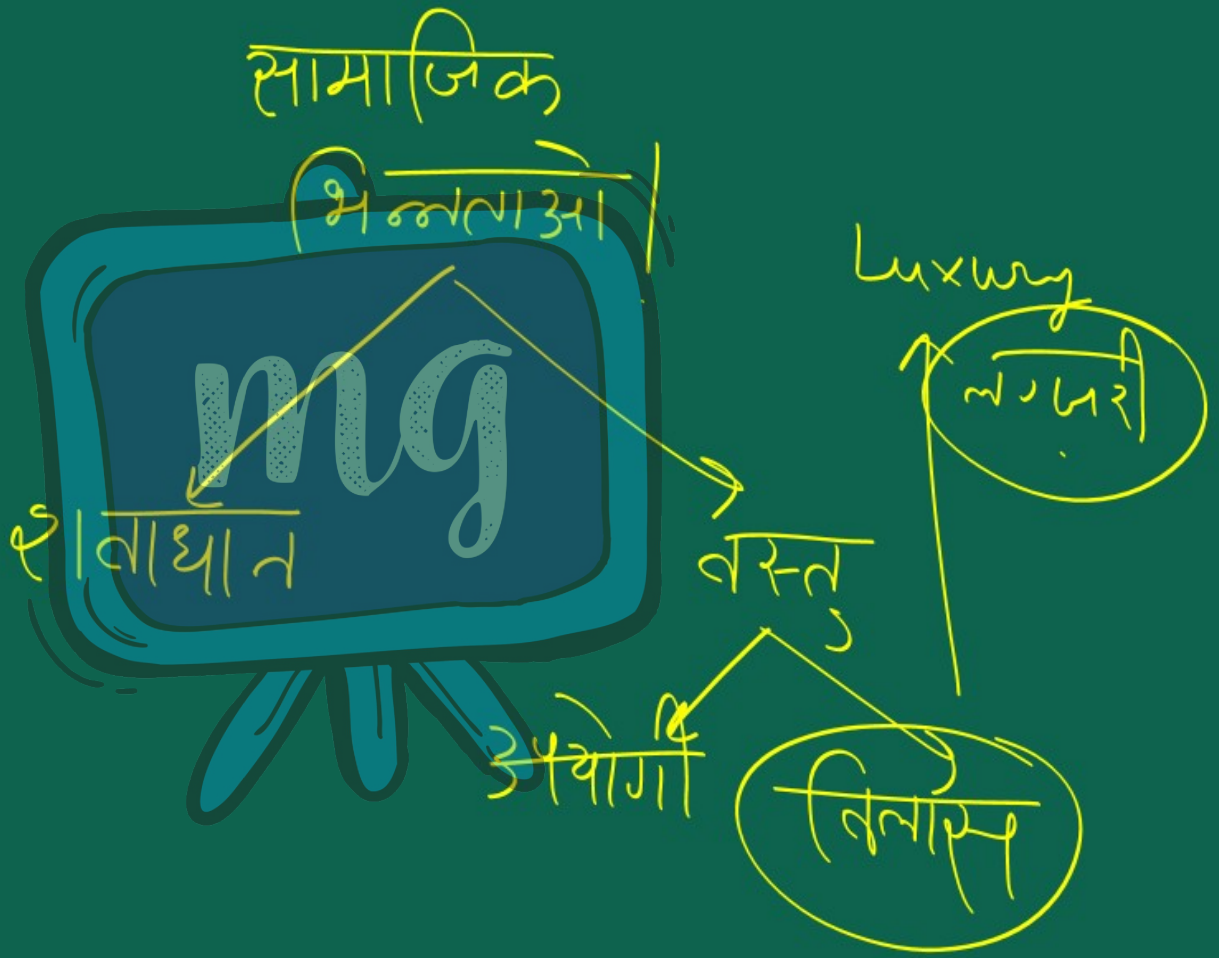

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. हड़प्पा सभ्यता के लोगों में सामाजिक भिन्नता का अवलोकन करें?

